



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

बसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—खण्ड-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्रापिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

शं. 453]
No. 453]

नई विल्सी, सोमवार, दिसम्बर 27, 1993/पूर्व 6, 1915
NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 27, 1993/PAUSA 6, 1915

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
प्रधिसूचना

नई विल्सी, 27 दिसम्बर, 1993

स. 101 / 93 के नियम उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 781(अ):—केन्द्रीय नरेंद्र नेहरू उत्पाद शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की घारा 5 के उपधारा (1) द्वारा उत्पाद विभागों द्वारा प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रधिसूचना सं 97/91 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 7 अक्टूबर 1991 को प्रधिकार करते हुए प्रमाण यह समाधान ही जाने रह कि लौकिकत में ऐसा ब्रह्म आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिक प्रधिनियम, 1985 (1986 का 5) को अनुमूल्य में विनियिष्ट ऐसे सभी उत्पाद शुल्क माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है), जिसका उत्पादन या विनियोग किसी शतप्रतिशत नियंत्रितम् उत्पादन या मृक्त व्यापार धोका में किया जाता है तबा जो आयात और नियात नीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 के बीच 102 और 114 के उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार भारत में विकल्प के लिए अनुदात किया जाता है उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रधिनियम की घारा 3 के अधीन उस पर उद्धरणीय, उतने उत्पाद शुल्क से छूट देती है जो प्रत्येक सीमाशुल्क के 50 प्रतिशत की दर से मंगित रकम में प्रधित है और जो सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) के अधीन अपरी की गई तत्त्वमय प्रकृत किसी प्रथम प्रधिसूचना के साथ पठित उक्त

सीमाशुल्क की घारा 12 के अधीन भारत से बाहर उत्पादित या विनियित वैसे ही माल पर, यदि उसका भारत में आयात किया जाता तो उद्धरणीय किया जाता :

परन्तु उक्त माल की बाबत इस प्रधिसूचना के अनुसार देय शुल्क की एकम प्रधारिति, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) या उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रधिनियम की घारा 5 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी प्रथम मुसंगत प्रधिसूचना के साथ पठित उक्त अनुसूची में विनियिष्ट किसी शतप्रतिशत नियंत्रितम् उत्पादन या नियंत्रित प्रसारस्वरूप जोन या इतीकानिकी हाईबोर्ड प्रौद्योगिकी पार्क एकक के बाहर उत्पादित या विनियित वैसे ही माल पर उद्धरणीय उत्पाद शुल्क से कम नहीं होती।

परन्तु यह और भी कि उपरोक्त परन्तुक की कोई बात ऐसे माल पर लागू नहीं होती जो उक्त सीमाशुल्क प्रधिनियम की घारा 25 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई तत्त्वमय प्रवृत्त किसी अन्य प्रधिसूचना के साथ पठित सीमाशुल्क प्रधिनियम की घारा 12 के अधीन उद्धरणीय शुल्क की शून्य दर से प्रभार्य है।

2 इस प्रधिसूचना में अंतिष्ठ छूट, समय समय पर यथात्त्वानुसिल भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (बौद्धिगिक विकास विभाग) की प्रधिसूचना संक्षण का, या 117(अ), तारीख 22 फरवरी, 1993 की प्रधिसूचना घारा नियुक्त अतर मंत्रालयी स्वार्थी समिति द्वारा इस नियित अनुमोदित शतप्रतिशत नियंत्रितम् स्कीम के अधीन इतीकानिकी हाईबोर्ड प्रौद्योगिकी पार्क एककों में उत्पादित या विनियित उत्पाद शुल्क के माल को लागू नहीं होगी।

स्पष्टीकरणः— इस अधिसूचना के प्रयोगन के लिए “भारत और नियंत्रित नीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997” से समय-समय पर यथासंशोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक गृहना संख्या 1 - ग्राही दी सी (पी एन) 92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 द्वारा प्रकाशित नियंत्रित और आयात नीति 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 प्रभित्रैत है।

[फा. नं. 354 /67 /93 दी.आर.यू.]
सुशील सोलंकी, अवार सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 1993

NO. 101/93-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 781(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 97/91-Central Excises, dated the 7th October, 1991, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all excisable goods (hereinafter referred to as the said goods) specified in the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and produced or manufactured in a hundred per cent, export oriented undertaking or a free trade zone and allowed to be sold in India under and in accordance with the provisions of paragraphs 102 and 114 of the Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997 from so much of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excises and Salt Act as is in excess of the amount calculated at the rate of 50 per cent, of each of the duties of customs, which would be leviable under section 12 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with any other notification for the time being in force issued under sub-section (1) of section 25 of the said Customs Act on the like goods produced or manufactured outside India if imported into India :

Provided that the amount of duty payable in accordance with this notification in respect of the said goods shall not be less than the duty of excise leviable on the like goods produced or manufactured outside the hundred per cent. Export-oriented undertaking or export processing zone or Electronic Hardware Technology Park Unit which is specified in the said Schedule read with any other relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 or sub-section (1) of section 5-A of the said Central Excise and Salt Act, as the case may be :

Provided further that nothing contained in the above proviso shall apply to the goods which are chargeable to nil rate of duty leviable under section 12 of the Customs Act read with any other notification for the time being in force issued under sub-section (1) of section 25 of the said Customs Act.

2. The exemption contained in this notification shall not apply to excisable goods produced or manufactured in the Electronics Hardware Technology Parks units under hundred per cent export oriented scheme approved in this behalf by the Inter-Ministerial Standing Committee appointed by the notification of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 117(E), dated the 22nd February, 1993, as amended from time to time.

Explanation.—For the purpose of this notification, the expression “Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997” means the Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN) 92—97, dated the 31st March, 1992, as amended from time to time.

[F. No. 354/67/93-TRU]
SUSHIL SOLANKI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1993

सं. 102 /93 केन्द्रीय उत्पाद, शुल्क

सा. का. नि. 782 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रबलत अवितयों का प्रयोग करने हुए अपमा यह समाधाम हो जाने पर कि लौकिक में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना संख्या 91/93 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नारीड 2 जुलाई, 1993 का नियन्त्रित संशोधन करती है, प्रथा :—

उपर अधिसूचना में “परन्तु उक्त माल की वावत कुल सीमा शुल्क की रकम” शब्दों से प्रारम्भ होने वाले और “यदि हम अधिसूचना में अतिरिक्त छूट न दी गई होती” शब्दों के साथ समाप्त होने वाले भाग के स्थान पर नियन्त्रित रखा जाएगा, मर्यादा :—

“परन्तु उक्त माल की वावत इस अधिसूचना के अन्तराल वेद शुल्क की रकम यथास्थिति केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) या उक्त वस्त्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई किसी अन्य सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित उक्त अनुसूची में विनियिष्ट भास्त्रप्रतिशत नियांत्रित अनुसूची या नियांत्रित प्रसंसंकरण जौन या इलैक्ट्रॉनिकी हार्डवेयर औद्योगिकी पार्क एक्सप्रेस के बाहर उत्पादित या विनियित और ही माल पर उद्यातारीय उत्पाद शुल्क से कम नहीं होगी :—

परन्तु, यह और भी कि उपरोक्त परन्तुक की कोई बात ऐसे माल पर लाग नहीं होगी जो उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई नलसमय प्रवृत्त किसी अन्य अधिसूचना के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 12 के अधीन उद्यातारीय शुल्क की सूम्य दर से प्रभावी है।

[फा. सं. 354 /67 /93 दी.आर.यू.]
सुशील सोलंकी, अवार सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 1993

NO. 102/93-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 782(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) the

Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 91/93-Central Excises, dated the 2nd July, 1993, namely :—

In the said notification, for the portion beginning with the words, "Provided that the amount of aggregate duties of customs", and ending with the words "but for the exemption contained in this notification." the following shall be substituted, namely :—

"Provided that the amount of duty payable in accordance with this notification in respect of the said goods shall not be less than the duty of excise leviable on the like goods produced or manufactured outside the hundred per cent export-oriented undertaking or export processing zone or Electronic Hardware Technology Park Unit which is specified in the said Schedule, read with any other relevant notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 or sub-section (1) of section 5A of the said Central Excises and Salt Act, as the case may be:

Provided further that nothing contained in the above proviso shall apply to the goods which are chargeable to nil rate of duty leviable under section 12 of the Customs Act read with any other notification for the time being in force issued under sub-section (1) of section 25 of the said Customs Act."

[F. No. 354/67/93-TRU]
SUSHIL SOLANKI, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1993

सं. 103 /93 — केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा. का. नि. 783 (अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और समकालीन अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में देश करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एटिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अंतर्गत आने वाले और किसी शतप्रतिशत नियांतोन्मुख उपकरण या मुक्त व्यापार जोन में तैयार किए गए या विनिर्मित तैयार वस्त्रों के विनिर्माण के अनुकूल में पैदा होने वाले विषयों, सामाकरणों और टेलर की करतरानों को जिसको निर्धारित और आयात भीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 के उपर्यों के अधीन और उनके अनुभार भारत में विक्रय के लिए अनुशासन किया जाता है, उन पर उद्दृष्टीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है परन्तु यह तब जबकि विषयों, सामाकरणों और टेलर की करतरानों के रूप में व्यविष्ट सामग्री का प्रतिशत भारत सरकार के तत्कालीन उद्योग और नागरिक भाष्यात्मक मान्यता दिया जाता है, जब उनका एकाकल्पना स्थल की अवधि विकासकार्यों के सम्बंध में एकीकृत एकाकल्पना स्थल में उपयोग के लिए और भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ण मत्तालय (आधिकारिक विभाग) की तत्कालीन भ्रष्टसूचना सं. का. पा. 163(अ)/आर एल आई यू./10 (2) 76, तारीख 3 मार्च, 1976 द्वारा शतप्रतिशत नियांतोन्मुख उपकरणों के अनुमोदन द्वारा इस निमित नियत प्रतिशत से भ्रष्टक नहीं है।

स्पष्टीकरण.— इस भ्रष्टसूचना के प्रयोग के लिए "आयात और निर्धारित भीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997" से सम्बन्धित वर्ष इस संशोधित भारत सरकार के विभिन्न विभागों की सार्वजनिक सूचना

संख्या 1-मार्च दी सी (पो एन)/92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 द्वारा प्रकाशित नियात और आयात भीति, 1 अप्रैल, 1992—31 मार्च, 1997 भ्रष्टप्रत है।

[फा. सं. 354/67/93-ट्रॉ. आर.यू.]
सुशील सोलांकी, भवर चिन्ह

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 1993

NO. 103/93-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 783(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5-A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts rags, trimmings and tailor cuttings arising in the course of manufacture of readymade garments falling within the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and produced or manufactured in a hundred per cent export oriented undertaking or a free trade zone and allowed to be sold in India under and in accordance with the provisions of the Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997, from the whole of the duty of excise leviable thereon provided that the percentage of waste material in the form of rags, trimmings and tailor cuttings does not exceed the percentage fixed in this regard by the Board of Approvals for hundred per cent export oriented undertakings appointed by the Government of India in the former Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 163(E)/RLIU/10(2)-76, dated the 3rd March, 1976.

Explanation.—For the purpose of this notification, the expression "Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997" means the Export and Import Policy, 1 April, 1992—31 March, 1997 published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)|92—97, dated the 31st March, 1992, as amended from time to time.

[F. No. 354/67/93-TRU]
SUSHIL SOLANKI, Under Secy.

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1993

सं. 188/93 सीमान्त शुल्क]

सा. का. नि. 784 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 26 की उपकारा (1) द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, नीर्खे को सारणी में व्यविष्ट साल की (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् साल कहा जाता है), जब उनका एकाकल्पना स्थल की अवधि विकासकार्यों के सम्बंध में एकीकृत एकाकल्पना स्थल में उपयोग के लिए और भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ण मत्तालय (आधिकारिक विभाग) की तत्कालीन भ्रष्टसूचना सं. का. पा. 163 (अ)/आर एल आई यू./10(2) 76, तारीख 3 मार्च, 1976 द्वारा नियुक्त शतप्रतिशत नियांतोन्मुख उपकरणों के अनुमोदन द्वारा इस निमित नियत प्रतिशत से भ्रष्टक नहीं है।

सीमानुसार ईरिक मध्यिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन उन पर उद्योगीय समस्त सीमानुसार और वित्तीय उत्तिवित्त विधियम की द्वारा 3 के अधीन उन पर उद्योगीय भवितिक शुल्क, यदि कीर्ति है, से निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अवधि:—

- (1) आयातकर्ता को उक्त प्रयोजन के लिए भाल के आयात के लिए आवश्यक अनुमोदन प्रदान किया गया है,
- (2) आयातकर्ता एकाकर्त्ता उत्पादों के उत्पादन के प्रयोजन के लिए भाल का उपयोग करता है और भाल से उत्पादित एकाकर्त्ता उत्पादों का भावप्रतिशत या ऐसा अस्थ प्रतिशत, जो उक्त बोर्ड द्वारा नियत किया जाए, 10 अर्ध की अवधि तक या ऐसी बढ़ाई गई अवधि तक, जो उक्त बोर्ड द्वारा विनियिष्ट की जाए, नियात करता है,
- (3) वर्ते (2) में विनियिष्ट अवधि की समाप्ति पर, आयातकर्ता आयात के समय प्रथम पत्र फारिल करते की तारीख को विद्यमान विनियम दर और उस शुल्क दर में, जो उपक्रम के भावप्रतिशत विनियोग्य उपक्रम के रूप में समाप्त होने की तारीख की लागू दर हो, समणित आवश्यक मूल्य पर पूरी-भाल, सामग्री हृषालन उपस्कर, कार्यालय उपस्कर, यथास्थिति, आवश्यक विभिन्न संयंत्र या आवश्यक उत्पादन सेट से सबसे में सीमा शुल्क का सवाय करेगा,
- (4) आयातकर्ता उक्त भाल का आयात करते के समय, विकास आयुक्त से इस आवश्यक का एक प्रमाणपत्र सीमानुसार सद्विधाक कलेक्टर के समझ पेस करता है कि आयातकर्ता ने 1 ऐसे प्रथम में और ऐसी राति के लिए नियात आयातकर्ता और शर्तों का, जो विनियिष्ट की जाए, पूरा करने के लिए स्वयं को आवश्यक रहते हुए एक बधायत विष्यादित कर दिया है,
- (5) इस मध्यसूचना में किसी भाल के होते हुए भी, इसके साथ अंतिम शुल्क उन भाल की भी लागू होगी जिनका भारत में आयात किए जाने पर एकाकर्त्ता उत्पादों के उत्पादन के प्रयोजनों के लिए उक्त भावप्रतिशत विनियोग्य उपक्रम अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित भावप्रतिशत विनियोग्य उपक्रमों के भीतर उपयोग किया जाता है और ऐसे उत्पादों को (विभक्त अंतर्गत उत्पादन के दौरान उत्पाद होने वाला, प्रतिक्रिया, अपक्रिया और स्केप सामग्री भी है), यथापि, उनका भारत से नियात नहीं किया जाता है, विनियम संवालन, नोक सूचना स 1-आई टॉ. सी. (पी. एन.)/92-97 तारीख 31 मार्च, 1992 के अधीन प्रकाशित समय-समय पर यथासंबोधित नियात और आयात नीति अप्रैल, 1992 मार्च—1997 के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी भाल में और ऐसी अस्थ सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो विकास आयुक्त द्वारा इस निमित्त विनियिष्ट की जाए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की द्वारा 3 के अधीन ऐसी वस्तुओं पर उद्योगीय उत्पाद शुल्क का सवाय करने पर भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुमति किया जाता है;
- (6) सीमा शुल्क कलेक्टर, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो उसके द्वारा विहित की जाए, किसी एक को भाल का पूरा नियात करने के लिए अनुशा दे सकेगा।

सारणी

क्रम सं.	भाल का वर्णन
1	2
1. पूरी भाल	
2. सामग्री हृषालन उपस्कर, अवधि फोलेलिफट, फिरोपरि फेन, चल फेन, काल्पनर फेन, उत्तोलन और स्टैकर।	

1 2

3 पूरी भाल और सामग्री हृषालन उपस्कर के कानून पूर्ण, गर्दा कार्बन-लिफट फिरोपरि फेन, चल फेन, काल्पनर फेन, उत्तोलन और स्टैकर।

4 कार्यालय उपस्कर, जैसा कि भावप्रतिशत विनियोग्य एकको द्वारा आयात के लिए अनुमति है।

5 आवश्यक संविधान।

6 ओडियार, बिना, गंगा, फिरोपरि, सोचा, डाई, उपकरण और उपसाधन।

[का सं 305/28/88 एक दी दी (मार्ग II)]

तिरंगा, कपूर, भवर संविधान

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 1993

No. 188—CUSTOMS/93

G.S.R. 784(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Table below (hereinafter referred to as the goods), when imported into India for use in an integrated aquaculture farm in connection with its operational requirements of the aquaculture farm and for export of aquaculture products produced therefrom by hundred per cent. export oriented undertakings approved by the Board of Approvals for hundred per cent Export Oriented Undertakings, appointed by the notification of the Government of India in the former Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 163(E)/RLIU/10(2)76, dated the 3rd March, 1976, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been granted necessary approval for the import of the goods for the said purpose;
- (2) the importer uses the goods for the purposes of production of aquaculture products and exports out of India hundred per cent or such other percentage, as may be fixed by the said Board, of aquaculture products produced from the goods for a period of 10 years or such extended period as may be specified by the said Board;
- (3) on the expiry of the period referred to in condition (2) the importer shall pay the customs duty on capital goods, material handling equipments, office equipment, captive power plants or, as the case may be, captive generating sets, on depreciated value

calculated at the rate of exchange prevailing on the date of filing of bill of entry at the time of import and the rate of duty being the rate applicable on the date the undertaking ceases to be the hundred per cent Export Oriented Undertaking;

- (4) the importer, at the time of import of the said goods, produces to the Assistant Collector of Customs a certificate from the Development Commissioner to the effect that the importer has executed a bond in such form and for such sum binding himself to fulfil the export obligations and conditions as may be specified;
- (5) notwithstanding anything contained in this notification the exemption contained here-with shall also apply to those goods which on importation into India are used for the purposes of production of aquaculture products within hundred per cent Export Oriented undertakings approved by the said Board of Approvals for hundred per cent Export Oriented Undertakings and such products (including rejects, waste and scrap material arising in the course of production) even if not exported out of India, are allowed to be sold in India, under and in accordance with the Export and Import Policy, April 1992—March 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/92-97 dated the 31st March, 1992, as amended from time to time, and in such quantity and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner, on payment of duty of excise leviable on such articles under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944);
- (6) the Collector of Customs may, subject to such conditions as may be prescribed by him, allow a unit to re-export the goods.

TABLE

Sl. No.	Description of goods
(1)	(2)
1.	Capital goods. Material handling equipments, namely, forklifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers. Spares of capital goods and material handling equipments namely, forklifts, over-head cranes, mobile cranes, crawler cranes, hoists and stackers. Office equipments, as permissible for import by the 100 percent export-oriented units. Captive power plants, Tools, jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and accessories.

भवित्वना

तर्हि दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1993

सं 189/93 सीमांशुल्क

सा. का. नि. 785 (अ) --- केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 62) की धारा 25 की उपचारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, यह समाप्त हो जाने पर कि लैंबाहित में ऐसा करता प्राप्तवक है, यह निदेश देता है कि इससे उपचार सारणी के स्तरम् (2) में विनियिष्ट भारत सरकार के वित संकालन (एक्स्ट्रा विभाग) की प्रत्येक भवित्वना का उक्त सारणी के स्तरम् (3) में की तरस्याती प्रविष्टि में विनियिष्ट रीति से और तक्रान्त किया जाएगा :—

सारणी

कम स. भवित्वना सं. और तारीख संशोधन

1	(2)	(3)
1. २२/८०-सी.ए. तारीख १७, प्रब्रैंस, 1980 262/८५ सी.ए. २२ नवम्बर, 1985	2 के खड़ (क) के उपचार सारणी १६ प्राप्त, 1985	(ii) और तद्धीन परतुक के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित रक्षा जाएगा प्रथम् :—
339/४५-सी.ए., तारीख २२ नवम्बर, 1985	340/४६-सी.ए., तारीख १३ जून, 1986	(ii) जोत के चीतर माल के उत्पादन के दौरान उत्पन्न होने वाली स्कैप या अपमिष्ट सामग्री, यदि उम्मी उत्पन्न जोन से मारत के किसी वज्य आगे में उपयोग के लिए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के प्रधीन उद्घासीय उत्पाद-शुल्क का संदर्भ करने पर या जहाँ ऐसी अपमिष्ट और स्कैप सामग्री उत्पाद-शुल्क वोग्य नहीं है, वहा निर्वात के लिए माल के विभिन्न के प्रयोजनों के लिए उपयोग किए गए आवासित माल पर, भानों उनका उत्पन्न में आयात निया गया हो, ऐसी अपमिष्ट और स्कैप सामग्री पर उद्घासीय सीमा-शुल्क के बदावर रकम में सीमा-शुल्क संबंध करने पर निकासी की जाएगा,
170/९३-सी.ए., तारीख १३ सिसम्बर, 1993		उक्त भवित्वना में (क) शर्त (4) का लोट किया जाएगा;
	2. १३/८१-सी.ए., तारीख ९ फरवरी, 1981	(ब) शर्त (6) और शर्त (7) के स्थान पर निम्नलिखित रक्षा जाएगा, प्रथम् :—
		"(6) आवासिकता ऐसे प्रस्तुत में और ऐसी राशि के लिए तथा

1 2 3

ऐसे प्राधिकार से, जो नीमा-गुप्त क सहायक कलकटर द्वारा विहित किया गए, इस अधिकृतना में और वाणिज्य मंत्रालय लोक सूचना सं. 1-आई टी सी (पी.एन.), 92/97, नारीब 31 मार्च, 1992 के अधीन प्रकाशित समय समय पर व्यासंशोधित नियंत्रित और आयात नीति प्रैस, 1992, मार्च 1997 (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस अधिकृतना में उक्त आयात और नियंत्रित नीति कहा गया है) में या उनके अधीन अनुबद्ध नियंत्रित बाइबलों और शर्तों को पूछ करने और माँग किए जाने पर उन्हें माल पर जितने के बारे में सीमाणुल्क सहायक कलकटर के समाधान-प्रब स्प में यह साधित नहीं होता कि उनका नियंत्रित के लिए वस्तुओं के विनियोग में उपयोग किया गया है, उद्घरणीय शुल्क के बराबर रकम का संदाय करने के लिए स्वयं को आवश्यक करने हुए बंधवत निष्पादित करता है।

“(7) इस अधिकृतना में किसी बात के होते हुए भी, इसके साथ अन्विष्ट छूट उन माल को भी नाम होनी जिनका भारत में आयात किए जाने पर उक्त शाप्रतिष्ठित नियंत्रितमख उपकरण अनमोदन बोड द्वारा प्रत्योदित शाप्रतिष्ठित नियंत्रितमख उपकरणों के भीतर वस्तुओं के विनियोग के प्रयोगनों के लिए उपयोग किया जाता है और ऐसी वस्तुओं को (जिनके अतर्गत ऐसी वस्तुओं के विनियोग के दीरान उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और स्कैन सामग्री भी है) यद्यपि उनका भारत से नियंत्रित नहीं किया जाता है, उक्त आयात और नियंत्रित नीति के अधीन और उनके अनुसार तथा ऐसी मात्रा में और ऐसी अन्य सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो विदेश व्यापार महानिवेशक द्वारा इस नियंत्रित विनियोग की जाए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उन पर उद्घरणीय उत्पाद शुल्क का संदाय करने पर या जहाँ ऐसी

1 2 3

वस्तुएं (जिसके अंतर्गत प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और स्कैन सामग्री भी है) उत्पाद-शुल्क योग्य नहीं हैं, ऐसी वस्तुओं के विनियोग के प्रयोगनों के लिए उपयोग किये गये प्रायातित माल पर मानो उनका उस स्प में आयात किया गया हो, ऐसी वस्तुओं पर उद्घरणीय सीमालुक के बराबर रकम में नीमालुक का संदाय करने पर भारत में विक्रय किये जाने के लिए प्रत्यातित किया जाता है।

(g) उक्त अधिकृतना में वैरा 2 के पश्चात नियंत्रित वैरा प्रस्ताव्यापित किया जाएगा अर्थात् :—

“3 इस अधिकृतना में किसी बात के होते हुए भी यह अधिकृतना एक्टकंट्रैट उपकरणों द्वारा प्रायातित माल पर नाम नहीं होगी।”

उक्त प्रत्येक अधिकृतना में :—
(क) गर्त (4) और गर्त (9) का लोप किया जाएगा;
(ख) गर्त (15) में, छंड (क) के स्थान पर नियंत्रित रकम जायेगा अर्थात् :—

“(क) ऐसे माल, जिनका भारत में आयात किये जाने पर एकन के भीतर इन्वेस्ट्राइव धारा वस्तु या मृदु वस्तु के विनियोग या विकास के लिए उपयोग किया जाना है और ऐसी वस्तु या मृदु वस्तु को (जिसके अन्तर्गत ऐसी वस्तुओं के विनियोग के दीरान उत्पन्न होने वाली प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और स्कैन सामग्री भी है) यद्यपि उसका भारत से नियंत्रित नहीं किया जाता है, नियंत्रित और आयात नीति के प्रवीन और उनके अनुसार तथा ऐसी मात्रा में और ऐसी सीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए जो समिति द्वारा इस नियंत्रित विनियोग की जाए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 प्रवीन उस पर उद्घरणीय उत्पाद शुल्क का संदाय करने पर या जहाँ ऐसी धारा वस्तु या

1	2	3	(1)	(2)	(3)
		मूँ वस्तु (जिसके उत्प्रहणीय उत्पाद-मूलक का संबाय नहीं पर या जहा ऐसी धातु-वस्तु या मूँ वस्तु (जिसके अन्तर्गत ऐसी-धातु-वस्तु या मूँ-वस्तु के विनिर्माण और विकास के द्वारा उत्पन्न होने वाली प्रति-शेषित, भृष्टिश्च और स्केप मामपी भी है) उत्पाद गृह-योग्य नहीं है, वहा इनेक्ट्रानिन धातु-वस्तु या मूँ-वस्तु के विनिर्माण या विकास के लिए उपयोग किए गए आवातित माल पर, मानो उत्पाद उम स्पष्ट में आवात किया गया हो, ऐसी वस्तुओं पर उत्प्रहणीय सीमा मूलक के बराबर रूपमें सीमा मूलक का संबाय करने पर भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुमति किया जाता है।"	170-Cus/93, dated the 13th September, 1993		1944) or where such waste and scrap material is not excisable on payment of customs duty on imported goods used for the purposes of manufacture of goods for export in an amount equal to the customs duty leviable on such waste and scrap material as if imported as such;"

[फा. सं. 315/18 /93-एफ टो टी]
ति. रा. कपूर, प्रवर अधिक

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th December, 1993

No. 189-CUSTOMS/93

G.S.R. 785(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be further amended, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table:—

TABLE

Sl. No.	Notification No. & Date	Amendments
(1)	(2)	(3)
1.	77-Cus/80, dated the 17th April, 1980	In each of the said notifications, in paragraph 2, in clause (a), for sub-clause (ii) and the proviso thereunder, the following shall respectively be substituted namely:- “(ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the zone, if cleared from the zone for use in any other part of India on payment of duty of excise leviable under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of
	262-Cus/85, dated the 16th August, 1985 263-Cus/95, dated the 16th August, 1985 339-Cus/85, dated the 22nd November, 1985 340-Cus/86, dated the 13th June, 1986	“(ii) scrap or waste material arising in the course of production of goods within the zone, if cleared from the zone for use in any other part of India on payment of duty of excise leviable under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of

In the said notification—
(a) condition (4) shall be omitted
(b) for conditions (6) and (7), the following shall be substituted, namely:—

“(6)—The importer executes a bond in such form and for such sum and with such authority, as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, binding himself to fulfil the export obligations and conditions stipulated in this notification and in or under the Export and Import Policy, April 1992—March, 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/92-97, dated the 31st March, 1992 as amended from time to time (hereinafter in this notification referred to as the said Export and Import Policy) and to pay on demand an amount equal to the duty leviable on the goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of articles for export.

(7) Notwithstanding anything contained in this notification, the exemption contained herewith shall also apply to those goods which on importation into India are used for the purposes of manufacture of articles within hundred Percent export oriented undertaking approved by the said Board of Approvals for Hundred Percent Export Oriented Undertakings and such articles (including rejects, waste and scrap material arising in the course of manufacture of such articles) even if not exported out of India, are allowed to be sold in India, under-in accordance with the said Import and Export Policy and in such quantity and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Director General of Foreign Trade, on payment of

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		duty of excise leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or where such articles (including rejects, waste and scrap material) are not excisable, on payment of customs duty on imported goods used for the purposes of manufacture of such articles in an amount equal to the customs duty leviable on such articles as if imported as such."			and scrap material arising in the course of manufacture and development of such hardware or software), even if not exported out of India, are allowed to be sold in India, under and in accordance with the Export and Import Policy and in such quantity and subject to such limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Committee, on payment of duty of excise leviable thereon under section 3 of the central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or where such hardware or software (including rejects, waste and scrap material arising in the course of manufacture and development of such hardware or software) are not excisable, on payment of customs duty on imported goods used for the manufacture or development of electronics hardware or software in an amount equal to the customs duty leviable on such articles as if imported as such;".
		(c) after paragraph 2, the following paragraph shall be inserted namely:-			
		"3. Nothing contained in this notification shall apply to goods imported by an aquaculture unit."			
3. 95-Cus/93, dated the 2nd March, 1993 96-Cus/93, dated the 2nd March, 1993		In each of the said notifications,— (a) conditions (4) and (9) shall be omitted; (b) In condition (15), for clause (a), the following shall be substituted, namely:- "(a) goods which on importation into India are used for the manufacture or development of electronics hardware or software within the unit and such hardware or software (including rejects, waste			

[F. No. 315/18/93-FTT]
T.R. KAPUR, Under Secy.